Samvad Lekhan In Hindi

प्रश्नः 1) बढ़ती महँगाई को लेकर दो नागरिकों की बातचीत को संवाद के रूप में लिखिए।

उत्तरः

- **हरिप्रसाद** - अरे पंकज क्या लाए हो बाजार से?
- **पंकज** - जी, अंकल ज्यादा कुछ नहीं, बस थोड़ी सी दालें और चावल ही लाया हूँ।
- **हरिप्रसाद** - अब इस बढ़ती महँगाई ने तो सबका हाथ ही तंग कर दिया है।
- **पंकज** - कुछ न पूछिए! सभी चीजों के दाम आसमान को छू रहे हैं, कोई भी चीज सस्ती नहीं है। कुछ दालों के तो 200 रुपए किलो तक पहुँच गए हैं।
- **हरिप्रसाद** - दालें ही क्या सभी चीजें इतनी महँगी हो गई हैं कि वे आम आदमी की पहुँच से बाहर होती जा रही हैं।
- **पंकज** - पर मेरी एक बात समझ में नहीं आती। महँगाई को रोकने के लिए सरकार क्यों कुछ नहीं कर रही है?
- **हरिप्रसाद** - अरे भैया! मुझे तो लगता है दाल में कुछ काला है। वरना सरकार चाहे तो क्या कुछ नहीं कर सकती। महँगाई के खिलाफ़ कानून बना सकती है। चीजों के दाम तय कर सकती है।
- **पंकज** - यही नहीं, उचित दाम से अधिक मूल्य वसूलने वालों को धर पकड़ भी सकती है।
- **हरिप्रसाद** - हाँ, सरकार आए दिन कुछ न कुछ बयान अवश्य देती है। कभी वायदे करती है, कभी योजनाएँ बनाती है, पर न तो वे वायदे कभी पूरे होते हैं और न ही वे योजनाएँ।
- **पंकज** - आश्चर्य की बात यह है कि विपक्षी पार्टियाँ भी सरकार पर दबाव डालने के लिए कुछ नहीं कर रही हैं।

प्रश्नः 2) चॉक का ब्लैक बोर्ड से संवाद - चॉक और ब्लैकबोर्ड के बीच संवाद।

उत्तरः

- **चॉक** - ब्लैक बोर्ड देखो तो तुम पर मेरी लिखाई कितनी अच्छी लग रही है।
- **ब्लैक बोर्ड** - हाँ तुम्हारी लिखाई सफ़ेद जो है।
- **चॉक** - अभी-अभी पेंट होने की वजह से तुम्हारा रंग बिल्कुल काला हो गया है।
- **ब्लैक बोर्ड** – इसलिए तुमसे लिखा गया सब कुछ साफ़ व सुंदर दिख रहा है।

- **चॉक** - हम दोनों की जोड़ी विद्यालय में बहुत प्रसिद्ध है .
- **ब्लैक बोर्ड** - हाँ होगी क्यों नहीं ! शिक्षक हमारे द्वारा ही तो बच्चों को पढ़ा पाते हैं .
- **चॉक** - तुम बच्चों के लिए किताब की तरह हो .
- **ब्लैक बोर्ड** – तुम कलम (pen) की तरह हो .
- **चॉक** - जब बच्चे मुझे लेने ऑफिस में जाते हैं तो उन्हें बहुत मजा आता है .
- **ब्लैक बोर्ड** – मुझ पर लिखा हुआ मिटाते समय बच्चा अपने आपको कक्षा का खास बच्चा समझता है .
- **चॉक** - ब्लैक बोर्ड भैया !बच्चे बहुत मासूम होते हैं .
- **ब्लैक बोर्ड** – हाँ ! कुछ-कुछ शैतान भी होते हैं . हर प्रकार के बच्चे कक्षा में बहुत अच्छे लगते हैं .
- **चॉक** - अरे हाँ ! मैं lockdown में सभी को बहुत याद करती हूँ .
- **ब्लैक बोर्ड** – कोरोना के कारण विद्यालय बंद होने से मैं भी बच्चों को देखने के लिए तरस गया .
- **चॉक** - अरे छोड़ो भी online मोड में तुम तो गूगल ब्लैक बोर्ड बन गए हो .
- **ब्लैक बोर्ड** – हा,हा,हा ! जल्दी ही तुम गूगल चॉक बन जाओगी.

प्रश्नः 3) माँ और बच्चे के बीच संवाद।

उत्तरः

- **बबीत** - माँ, मुझे बहुत भूल लग रही है। आप डॉनल्ड का बर्गर मँगा दो।
- **माँ** - बबीत, कल तुमने पीज़ा खाया था और सुबह मैगी। तुम्हें कितनी बार समझाया है कि यह कूड़ा अर्थात 'जंक फूड' है, इसे नहीं खाना चाहिए।
- **बबीत** - माँ, पीजी तो कल अक्षत के जन्मदिन की पार्टी में खाया था और मैगी भैय्या ने बनाई थी।
- **माँ** - पर, गया तो तुम्हारे पेट में न। नुकसान तो तुम्हारा हुआ ना। जानते हो ये सब चीजें दिल को तो कमजोर करती ही हैं, साथ ही शरीर को मोटा करती हैं और न जाने कितनी बीमारियों को जन्म देती हैं। तुम अपने शरीर को ऐसा करना चाहोगे।
- **बबीत** - सॉरी, माँ अब से मैं 'जंक फूड' नहीं केवल हरी सब्ज़ियाँ खाऊँगा।
- **माँ** - शाबाश, मेरा अक्लमंद बेटा।

प्रश्नः 4) कलम का कॉपी से संवाद - कलम और कॉपी के बीच संवाद।

उत्तरः

- **कलम** - कॉपी! क्या मेरे द्वारा तुम पर लिखा जाना तुम्हें अच्छा लगता है।
- **कॉपी** - जब तुम. छात्र या अन्य लोग मुझ पर सुंदर-सुंदर शब्द लिखते हैं तो मैं बहुत खुश होती हूँ।
- **कलम** - सच ! बहुत अच्छी बात है।
- **कॉपी** - लेकिन अगर किसी की लिखावट खराब होती है या स्याही मुझ पर फैलती है तो मुझे बुरा लगता है।
- **कलम** - मैं ऐसा बिलकुल नहीं चाहती लेकिन कई बार बच्चे मनोरंजन के कारण कुछ भी लिख देते हैं।
- **कॉपी** - मुझे तुम पर गर्व है कलम ! क्योंकि तुम्हारे बिना मेरा होना ही अधूरा है। तुम्हारे बिना मेरी कोई उपयोगिता नहीं है। मैं तुम्हारी आभारी हूँ।
- **कलम** - ऐसा मत बोलो, तुम्हारे बिना मेरी भी कोई उपयोगिता नहीं है।
- **कॉपी** - हाँ !लगता है हम दोनों एक दूसरे के लिए बने हैं .
- **कलम** - (गाना गुनगुनाती है) हम बने ,तुम बने ,एक दूजे के लिए ...
- **कॉपी** - जोड़ी नंबर -1 जिंदाबाद.

प्रश्नः 5) पिता और पुत्र के बीच संवाद।

उत्तरः

- **ओजस्व** - पिता जी, मुझे अपने दोस्तों के साथ मॉल जाना है।
- **पिता** - नहीं ओजस्व, तुम अपने दोस्तों के साथ रहकर घुमक्कड़ होते जा रहे हो। तुमने पढ़ना लिखना तो बिलकुल ही छोड़ दिया है।
- **ओजस्व** - नहीं पिता जी, अब मैं पढ़ेगा, वायदा करता हूँ।
- **पिता** - बेटे, ऐसे वायदे तो रोज करते हो।
- **ओजस्व** - पर इस बार मैं पक्का वायदा करता हूँ कि आपको 80% से ऊपर अंक लाकर दिखलाऊँगा।
- **पिता** - और अगर नहीं लाए तो .....

- **ओजस्व** - फिर आप जैसा कहेंगे, मैं वैसा ही करूंगा।
- **पिता** - ठीक है। तुम्हें यह आखिरी अवसर देता हूँ।

प्रश्नः 6) सब्जीवाले और ग्राहक का वार्तालाप - सब्जीवाला और ग्राहक के बीच संवाद।

उत्तरः

- **ग्राहक** - ये मटर कैसे दिए है भाई ?
- **सब्जीवाला** - ले लो बाबू जी ! बहुत अच्छे मटर है, एकदम ताजा।
- **ग्राहक** - भाव तो बताओ।
- **सब्जीवाला** - बेचे तो पंद्रह रुपये किलो हैं पर आपसे बारह रुपये ही लेंगे।
- **ग्राहक** - बहुत महँगे है भाई !
- **सब्जीवाला** - क्या बताएँ बाबूजी ! मण्डी में सब्जी के भाव आसमान छू रहे हैं।
- **ग्राहक** - फिर भी ..... । कुछ तो कम करो।
- **सब्जीवाला** - आप एक रुपया कम दे देना बाबू जी ! कहिए कितने तौल दूँ ?
- **ग्राहक** - एक किलो मटर दे दो। और ..... एक किलो आलू भी।
- **सब्जीवाला** - टमाटर भी ले जाइए, साहब। बहुत सस्ते हैं।
- **ग्राहक** - कैसे ?
- **सब्जीवाला** - पाँच रुपये किलो दे रहा हूँ। माल लुटा दिया बाबू जी।
- **ग्राहक** - अच्छा ! दे दो आधा किलो टमाटर भी। ..... और दो नींबू भी डाल देना।
- **सब्जीवाला** - यह लो बाबू जी। धनिया और हरी मिर्च भी रख दी है।
- **ग्राहक** - कितने पैसे हुए ?
- **सब्जीवाला** - सिर्फ इक्कीस रुपये।
- **ग्राहक** - लो भाई पैसे।

प्रश्नः 7) बाढ़ आने से कई गाँव पानी में डूब गए हैं। दो मित्र उनकी सहायता के लिए जाना चाहते हैं। उनके बीच हुए संवाद को लिखिए।

उत्तरः

- **मोहन** - कुमार! क्या तुमने आज का अखबार पढ़ा?

- **कुमार** - नहीं, क्या कोई विशेष खबर छपी है?
- **मोहन** - हाँ बाढ़ के कारण कई गाँव पानी में डूब रहे हैं। खेतों में पानी भरने से फसलें डूब रही हैं।
- **कुमार** - ऐसे में लोगों को बड़ी परेशानी हो रही होगी?
- **मोहन** - लोग जैसे-तैसे अपने सामान और मवेशियों को बचाने का प्रयास कर रहे हैं।
- **कुमार** - ऐसो की मदद के लिए हमें तुरंत चलना चाहिए। वे जहाँ भी हैं, उनकी मदद करनी चाहिए।
- **मोहन** - मैं अपने मित्रों के साथ कुछ कपड़े, खाने की वस्तुएँ, मोमबत्ती, माचिस आदि इकट्ठा करके आज दोपहर तक पहुँच जाना चाहता हूँ।
- **कुमार** - यह तो बहुत अच्छा रहेगा। मैं अपने साथियों से कहूँगा कि वे कुछ रुपये भी दान स्वरूप दें, ताकि उनके लिए पानी की बोतलें और ज़रूरी दवाइयाँ खरीदा जा सके।
- **मोहन** - तुमने बहुत अच्छा सोचा है। क्या तुम भी मेरे साथ चलोगे?
- **कुमार** - मैं अवश्य साथ चलूँगा और मुसीबत में फँसे लोगों की मदद करूँगा।

प्रश्नः 8) परीक्षा की तैयारी के लिए दो मित्रों के बीच संवाद - विशाल तथा राहुल दो मित्र हैं जो परीक्षा से दो दिन पूर्व आपस में परीक्षा के लिए फोन पर बातचीत कर रहे हैं।

उत्तरः

- **विशाल** - हेलो राहुल!
- **राहुल** - हाँ दोस्त , मैं राहुल बोल रहा हूँ , कैसे हो ?
- **विशाल** - बस ठीक हूँ दोस्त , और पढ़ाई कैसी चल रही है ?
- **राहुल** - क्या बताऊं बस थोड़ी सी दिक्कत है ?
- **विशाल** - क्या हुआ कहाँ परेशानी आ रही है ?
- **राहुल** - विज्ञान में चुम्बक वाला पाठ समझ नहीं आ रहा।
- **विशाल** - मगर वह तो आसान है थोड़ा ध्यान से समझना होगा।
- **राहुल** - क्या तुम मेरी मदद कर सकते हो ?
- **विशाल** - हाँ क्यों नहीं?
- **राहुल** - कल विद्यालय में मुझे समझा देना।
- **विशाल** - ठीक है मध्यावकाश के समय हम दोनों बैठ कर इस विषय को स्पष्ट कर लेंगे।

- **राहुल** - ठीक है भाई धन्यवाद ।
- **विशाल** - कोई बात नहीं भाई , दोस्त ही दोस्त के काम आते हैं।
- **राहुल** - और तुम्हारी पढ़ाई कैसी चल रही है।
- **विशाल** - मेरी पढ़ाई तो बढ़िया हो रही है .बस थोड़ा परीक्षा का तनाव हो रहा है।
- **राहुल** - कोई बात नहीं सब बढ़िया होगा मुझे उम्मीद है।
- **विशाल** - हाँ भाई ऐसा ही हो और सब बढ़िया है ?
- **राहुल** - हाँ सब बढ़िया है
- **विशाल** - ठीक है फिर विद्यालय में मिलते हैं।
- **राहुल** - अच्छा ठीक है . शुभ दिन
- **विशाल** - शुभ दिन

प्रश्नः 1) बाढ़ आने से कई गाँव जलमग्न हो गए हैं। दो मित्र उनकी सहायता के लिए जाना चाहते हैं। उनके बीच हुए संवाद का लेखन कीजिए।

उत्तरः

- **पंकज** - अमर! क्या तुमने आज का अखबार पढ़ा?
- **अमर** - नहीं, क्या कोई विशेष खबर छपी है?
- **पंकज** - हाँ बाढ़ के कारण कई गाँव पानी में डूब रहे हैं। खेतों में पानी भरने से फसलें डूब रही हैं।
- **अमर** - ऐसे में लोगों को बड़ी परेशानी हो रही होगी?
- **पंकज** - लोग जैसे-तैसे अपने सामान और मवेशियों को बचाने का प्रयास कर रहे हैं।
- **अमर** - ऐसो की मदद के लिए हमें तुरंत चलना चाहिए। वे जहाँ भी हैं, उनकी मदद करनी चाहिए।
- **पंकज** - मैं अपने मित्रों के साथ कुछ कपड़े, खाने की वस्तुएँ, मोमबत्ती, माचिस आदि इकट्ठा करके आज दोपहर तक पहुँच जाना चाहता हूँ।
- **अमर** - यह तो बहुत अच्छा रहेगा। मैं अपने साथियों से कहूँगा कि वे कुछ रुपये भी दान स्वरूप दें, ताकि उनके लिए पानी की बोतलें और ज़रूरी दवाइयाँ खरीदा जा सके। पंकज - तुमने बहुत अच्छा सोचा है। क्या तुम भी मेरे साथ चलोगे?
- **अमर** - मैं अवश्य साथ चलूँगा और मुसीबत में फँसे लोगों की मदद करूँगा।

प्रश्नः 2) परीक्षा के एक दिन पूर्व दो मित्रों की बातचीत का संवाद लेखन कीजिए।

उत्तरः

- **अक्षर** - नमस्ते विमल, कुछ परेशान से दिखते हो?
- **विमल** - नमस्ते अक्षर, कल हमारी गणित की परीक्षा है।
- **अक्षर** - मैंने तो पूरा पाठ्यक्रम दोहरा लिया है, और तुमने?
- **विमल** - पाठ्यक्रम तो मैंने भी दोहरा लिया है, पर कई सवाल ऐसे हैं, जो मुझे नहीं आ रहे हैं।
- **अक्षर** - ऐसा क्यों?
- **विमल** - जब वे सवाल समझाए गए थे, तब बीमारी के कारण मैं स्कूल नहीं जा सका था।
- **अक्षर** - कोई बात नहीं चलो, मैं तुम्हें समझा देता हूँ। शायद तुम्हारी समस्या हल हो जाए।
- **विमल** - पर इससे तो तुम्हारा समय बेकार जाएगा।
- **अक्षर** - कैसी बातें करते हो यार, अरे! तुम्हें पढ़ाते हुए मेरा दोहराने का काम स्वतः हो जाएगा। फिर, इतने दिनों की मित्रता कब काम आएगी।
- **विमल** - पर, मैं उस अध्याय के सूत्र रट नहीं पा रहा हूँ।
- **अक्षर** - सूत्र रटने की चीज़ नहीं, समझने की बात है। एक बार यह तो समझो कि सूत्र बना कैसे। फिर सवाल कितना भी घुमा-फिराकर आए तुम ज़रूर हल कर लोगे।
- **विमल** - तुमने तो मेरी समस्या ही सुलझा दी। चलो अब कुछ समझा भी दो।

प्रश्नः 3) नोटबंदी से परेशान दो लोगों की बातचीत को संवाद रूप में लिखिए।

उत्तरः

- **राघव** - अरे हेमू! सुबह-सुबह कहाँ जा रहे हो?
- **हेमू** - क्या बताऊ राघव, बैंक तक जा रहा हूँ?
- **राघव** - पर सुना है, बैंक में आजकल बहुत भीड़ हो रही है। लोगों की लंबी-लंबी लाइनें लगी हैं।
- **हेमू** - ठीक कह रहे हो, तभी तो सवेरे-सवेरे जा रहा हूँ लाइन में लगने।
- **राघव** - सरकार ने नोटबंदी का जो आदेश दे रखा है, उसी का यह परिणाम है।
- **हेमू** - पर इससे हम मज़दूरों को बड़ी मुश्किल हो रही है। कल भी काम छोड़कर लाइन में लगा था और आज काम छूटेगा।
- **राघव** - कुछ ही दिनों की परेशानी है। पर सरकार कहती है इससे काले धन पर अंकुश लगेगा।

- **हेमू** - वह तो ठीक है, परंतु हम गरीब तो भूखो मरने को विवश हो रहे हैं। एक ओर मजदूरी नहीं मिलती दूसरी ओर दिनभर लाइन लगाओ।
- **राघव** - सरकार ने यह कदम भविष्य के फायदे के लिए उठाया है।
- **हेमू** - पर हमें तो अपना आज भी अच्छा नहीं दिख रहा है।
- **राघव** - धैर्य रखो हेमू, सब ठीक हो जाएगा।
- **हेमू** - आशा तो मैं भी यही करता हूँ। भगवान करे सब ठीक हो जाए और आज मेरा लाइन में लगना सार्थक हो जाए।

प्रश्नः 4) अपने-अपने जीवन लक्ष्य के बारे में दो मित्रों की बातचीत को संवाद रूप में लिखिए।

उत्तरः

- **रंजन** - मित्र चंदन! बारहवीं के बाद तुमने क्या सोचा है?
- **चंदन** - मित्र रंजन! मैंने तो अपना लक्ष्य पहले से ही तय कर रखा है। मैंने डॉक्टर बनने के लिए पढ़ाई भी शुरू कर दिया
- **रंजन** - डॉक्टर ही क्यों?
- **चंदन** - मैं डॉक्टर बनकर लोगों की सेवा करना चाहता हूँ।
- **रंजन** - पर सेवा करने के तो और भी तरीके हैं ?
- **चंदन** - पर मुझे यही तरीका पसंद है। डॉक्टर ही रोते-तड़पते मरीज के चेहरे पर मुसकान लौटाकर वापस भेजते हैं।
- **रंजन** - पर कुछ डॉक्टर का भगवान का दूसरा रूप नहीं कहा जा सकता है?
- **चंदन** - पर मैं सच्चा डॉक्टर बनकर दिखाऊँगा पर तुमने क्या सोचा है, अपने जीवनलक्ष्य के बारे में?
- **रंजन** - पर इतनी मेहनत तो अपने वश की नहीं। सुना है-डॉक्टर, इंजीनियर बनने के लिए बड़ी मेहनत की आवश्यकता होती है जो मेरे वश की नहीं।
- **चंदन** - पर बिना मेहनत सफलता कैसे पाओगे? रंजन-मैं नेता बनकर देश सेवा करना चाहता हूँ।
- **चंदन** - तूने ठीक सोचा है। हल्दी लगे न फिटकरी, रंग बने चोखा।
- **रंजन** - नेता बनना भी आसान नहीं है। तुम्हारे लक्ष्य के लिए शुभकामनाएँ।

STUDYBABA.IN

प्रश्नः 5)मोबाइल फ़ोन से बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। इस बारे में दो महिलाओं की बातचीत को संवाद रूप में
लिखिए।

उत्तरः

- **रजनी** - अरे सरिता! कैसी हो? ।
- **सरिता** - मैं ठीक हूँ। अरे हाँ कल बेटे का जन्मदिन ढंग से मना लिया?
- **रजनी** - जन्मदिन तो मना लिया पर बेटा स्मार्ट फोन लेने की जिद पर अड़ा हुआ है।
- **सरिता** - तो दिला दो न उसे एक फोन।
- **रजनी** - सरिता, बात फोन की नहीं है। फोन लेकर वह उसी में लगा रहेगा।
- **सरिता** - यह बात तो है। आज लगभग हर बच्चे के पास फोन मिल जाता है, पर इसका दुष्प्रभाव उनकी पढ़ाई पर हो रहा है।
- **रजनी** - आज बच्चे पढ़ते कम हैं, फोन पर ज्यादा समय बिताते हैं।
- **सरिता** - मैंने अपने बेटे को फोन तो दिला दिया पर वह टेस्ट में दो विषय में फेल हो गया।
- **रजनी** - मेरी बेटी को जो पहाड़े पहले से याद थे और वह जमा-गुणा मौखिक करती थी, अब वह मोबाइल में कैलकुलेटर पर करने लगी है।
- **सरिता** - बच्चे गेम खेलकर अपना समय खराब करें, यहाँ तक तो ठीक है पर वे मोबाइल फोन का दुरुपयोग करने लगे हैं।
- **रजनी** - बच्चों को जागरूक कर इसे रोकना चाहिए ताकि वे पढ़ाई में मन लगाएँ। सरिता-यह ठीक रहेगा।

प्रश्नः 6) पी.टी.एम. में अध्यापक और छात्र के साथ उसके पिता से बातचीत का संवाद लेखन कीजिए।

उत्तरः

- **पिता** - मास्टर साहब नमस्ते! अंदर आ जाऊँ?
- **शिक्षक** - अंदर आ जाइए, स्वागत है आपका।
- **पिता** - धन्यवाद! मुझे मेरे बेटे के बारे में कुछ बताइए।
- **शिक्षक** - आपका बेटा पढ़ाई में ठीक है। मन लगाकर पढ़ता है।
- **पिता** - फिर इस टर्म में इसके नंबर कम क्यों हैं?

- **शिक्षक** - ठीक पूछा आपने। आपका बेटा नियमित रूप से स्कूल नहीं आता है। मैंने कई बार आपको फ़ोन किया है न।
- **पिता** - यह कहता है कि स्कूल में सभी पीरियड नहीं लगते हैं, तभी नहीं आता है।
- **शिक्षक** - पीरियड तो सभी लगते हैं। आप कहते थे कि इसकी तबीयत ठीक नहीं है और यह बताता था कि आपने इसे रोका था।
- **पिता** - मैं अब इसे नियमित रूप से स्कूल भेजूंगा।
- **शिक्षक** - यह मोबाइल फ़ोन लेकर स्कूल आता है और कक्षा में वीडियो देखता है।
- **पिता** - मैं इसका मोबाइल फ़ोन घर रखवा दूंगा।
- **शिक्षक** - इसे घर पर आप पढ़ने के लिए कहिए, स्कूल में मैं ध्यान रखूगा।
- **पिता** - यह ठीक रहेगा, धन्यवाद।

प्रश्नः 7) समाज में फ़िल्मों का स्तर गिरता जा रहा है। फ़िल्में बनाने का उद्देश्य पैसा कमाना भर रहा गया है। इसी संबंध में साहित्यकार और फ़िल्म निर्माता के मध्य हुई बातचीत को संवाद रूप में लिखिए।

उत्तरः

- **साहित्यकार** - नमस्कार निर्माता जी, क्या हाल है?
- **निर्माता** - एक फ़िल्म बनाने की योजना बना रहा हूँ।
- **साहित्यकार** - महाशय को उद्देश्यपूर्ण फ़िल्म बनाइए।
- **निर्माता** - क्या आपकी सभी कविताएँ उद्देश्यपूर्ण ही होती हैं?
- **साहित्यकार** - साहित्यकार और फ़िल्म निर्माता दोनों के कार्य का समाज पर असर पड़ता है। हमें अपना दायित्व निभाने में कोताही नहीं बरतनी चाहिए। हमारी रचनाओं में मूल्य और संदेश होना चाहिए।
- **निर्माता** - फिर तो हो गई हमारी दुकानदारी।
- **साहित्यकार** - दुकानदारी के लिए हमें अश्लील चीजें नहीं परोसनी चाहिए।
- **निर्माता** - ऐसी साफ़-सुथरी फ़िल्में बनाने पर निर्माता का डूबना तो तय है।
- **साहित्यकार** - फ़िल्में समाज का आइना एवं मनोरंजन का सशक्त साधन है। समाज पर इनका बहु प्रभाव पड़ता है। ऐसी फ़िल्में बननी चाहिए जो समाज को एक नई दिशा दें।
- **निर्माता** - आप ठीक कहते हैं। मैं भविष्य में इस बात का पूरा ध्यान रखना चाहिए।

- **साहित्यकार** - धन्यवाद।

प्रश्नः 8) नोडिटेंशन पॉलिसी से परेशान एक अभिभावक (गोपाल) और अध्यापक की बातचीत का संवाद लेखन कीजिए।

उत्तरः

- **गोपाल** - नमस्ते मास्टर जी!
- **अध्यापक** - नमस्ते गोपाल जी! आइए, कैसे आना हुआ?
- **गोपाल** - मास्टर जी अपने श्यामू के बारे में आपसे मिलने आया था।
- **अध्यापक** - बताइए गोपाल जी क्या है ? वैसे श्यामू पास हो गया है।
- **गोपाल** - वह पास कैसे हो गया, यही तो सोचकर परेशान हो रहा हूँ।
- **अध्यापक** - क्यों?
- **गोपाल** - वह अपनी किताबें नहीं पढ़ पाता है, सवाल हल नहीं कर पाता है, अंग्रेज़ी बिलकुल भी नहीं पढ़ पाता है, इससे अच्छा तो उसी कक्षा में रह जाता तो ठीक होता।
- **अध्यापक** - सरकार ने नोडिटेंशन पॉलिसी लागू की है। इसका एक दुष्परिणाम यह है कि सरकारी स्कूल के कुछ बच्चों में पढ़ाई से लगाव कम हुआ है।
- **गोपाल** - आप सही कह रहे हैं मास्टर जी, जब देखो यह पार्क में खेलता रहता है।
- **अध्यापक** - बच्चों की शिक्षा की जिम्मेदारी तो हम आप दोनों की है। आप इसके पढ़ने और खेलने का समय तय कीजिए बाकी मैं स्कूल में इसकी पढ़ाई के लिए अतिरिक्त समय दूंगा।
- **गोपाल** - जी, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

प्रश्नः 9) गाँव से कुछ दूरी पर रेलगाड़ी दुर्घटनाग्रस्त हो गई है, दो मित्र वहाँ पीड़ितों की सहायता के लिए जाना चाहते हैं। उनके मध्य हुए संवाद का लेखन कीजिए।

उत्तर:

- **व्यक्ति 1:** नमस्ते विजय, कैसा है तू?
- **व्यक्ति 2:** हाँ, मैं ठीक हूँ। तू सुना है, हमारे गाँव से कुछ दूरी पर रेलगाड़ी दुर्घटनाग्रस्त हो गई है। मुझे उसके बारे में चिंता हो रही है।

- **व्यक्ति 1:** हाँ, मैंने भी सुना है। हमें वहाँ जाना चाहिए और पीड़ित लोगों की सहायता करनी चाहिए।
- **व्यक्ति 2:** सही कह रहे हो। हमें अपनी सुरक्षा का ध्यान रखते हुए जाना चाहिए। हमें पास के अस्पताल में उपलब्ध मेडिकल सामग्री और आवश्यक चिकित्सा सहायता बांटनी चाहिए।
- **व्यक्ति 1:** हाँ, और हमें भी वहाँ पहुंचने वाले राहगीरों की संख्या को तय करनी चाहिए। हमें उन्हें आवश्यकता के अनुसार खाद्य और पानी उपलब्ध करवाने की कोशिश करनी चाहिए।
- **व्यक्ति 2:** हाँ, और हमें स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर सहायता की योजना बनानी चाहिए। उनके मार्गदर्शन में हम संगठित और प्रभावी तरीके से मदद कर सकेंगे।
- **व्यक्ति 1:** बिल्कुल सही कह रहे हो, विजय।

प्रश्नः 10) विधानसभा का चुनाव लड़ रहे प्रत्याशी और मतदाता के बीच हुई बातचीत को संवाद रूप में लिखिए।

उत्तरः

- **प्रत्याशी -** नमस्कार भैया! इस बार आप हमें ही वोट देना।
- **मतदाता -** नमस्कार। पर मैं आपको वोट क्यों दूं।
- **प्रत्याशी -** पिछली बार आपने हमें जिताया था और हमने आपका विकास किया।
- **मतदाता -** आपने न सड़कें बनवाई, न पानी के नल लगवाए, आपने गलियों की मरम्मत भी नहीं करवाई।
- **प्रत्याशी -** इस बार फंड कम था न। अब जीतने पर सबसे पहले यही काम करवाऊँगा।
- **मतदाता -** पर आपने अपने मोहल्ले का सारा काम करवा लिया है। यहाँ पर नल नहीं लगवा सकते, अपने घर के सामने फव्वारा लगवा लिया।
- **प्रत्याशी -** इस बार मैं जनता का विकास करूँगा।
- **मतदाता -** आपने पिछली बार अपना विकास करने के लिए हम गरीबों पर कर लगाए, महँगाई बढ़ाई और अपनी गोदाम में जमाखोरी करवाई।
- **प्रत्याशी -** यह विरोधी प्रत्याशी की चाल है।
- **मतदाता -** अब हम अपने मत की कीमत पहचान गए हैं। हम शिक्षित, कर्मठ और ईमानदार मतदाता को अपना मत देंगे।
- **प्रत्याशी -** आप हमें एक मौका और दीजिए।

- **मतदाता** - ठीक है देखेंगे।

प्रश्नः 11) सब्जी खरीदने आई महिला और सब्जी वाले के मध्य हुई बातचीत को संवाद रूप में लिखिए।

उत्तरः

- **महिला** - भैया, कुछ सब्जियाँ चाहिए।
- **दुकानदार** - बहिन जी, बताइए क्या-क्या दूँ?
- **महिला** - तुम्हारी दुकान में कौन-सी सब्जी सस्ती है ?
- **दुकानदार** - बहिन जी! आजकल सारी सब्जियाँ महँगी हो रही हैं। वैसे भी बरसात के मौसम में सब्जियाँ महँगी हो जाती हैं।
- **महिला** - भैया तुम तो हर मौसम में लूटते रहते हो। चलो एक किलो आलू, एक किलो प्याज दे देना। कितने हुए?
- **दुकानदार** - एक सौ बीस रुपये।
- **महिला** - अरे! तुम तो दिन में ही लूट रहे हो। इतनी महँगाई तो नहीं है।
- **दुकानदार** - ठीक लगा लूँगा, बताइए और क्या हूँ?
- **महिला** - एक किलो गोभी, एक किलो बैंगन आधा किलो मूली दे देना। अब बताओ पैसे?
- **दुकानदार** - अब आप कुल दो सौ सत्तर रुपये दे दो।
- **महिला** - इतना नहीं आप दो सौ पचास रुपये लो और धनिया-मिर्च और अदरक भी डाल देना।
- **दुकानदार** - नहीं, बहन जी इतना भी नहीं दे सकता। आप या तो दो सौ सत्तर रुपये दे दो या 250 रुपये देकर ये सब मुफ़्त ले लो।
- **महिला** - तुम लोग सस्ती खरीदकर महँगा बेचते हो।
- **दुकानदार** - बहिन जी इस महँगाई में पेट पालना मुश्किल हो रहा है। आप सब के सहारे जी रहा हूँ।

प्रश्नः 12) बिना टिकट यात्रा कर रहे यात्री और टिकट निरीक्षक के बीच हुई बातचीत का संवाद लेखन कीजिए।

उत्तरः

- **टिकट निरीक्षक** - आपको कहाँ जाना है?
- **यात्री** - जी, आगरा जाना है ताजमहल देखने।
- **टिकट निरीक्षक** - आप अपना टिकट दिखाइए।
- **यात्री** - मेरे पास टिकट तो था, लेकिन लगता है कहीं गिर गया।
- **टिकट निरीक्षक** - अपनी जेब चेक कीजिए।
- **यात्री** - पर टिकट तो है ही नहीं।
- **टिकट निरीक्षक** - मैंने टिकट के लिए जेब चेक करने को नहीं कहा था, जुर्माने की रकम के लिए कहा था।
- **यात्री** - क्या...? जुर्माना, नहीं-नहीं ऐसा मत करिए।
- **टिकट निरीक्षक** - ज़रा जल्दी कीजिए, 558 रु. निकालिए और रसीद पकड़िए।
- **यात्री** - प्लीज़ सर ऐसा मत कीजिए। मैं जिम्मेदार नागरिक हूँ।
- **टिकट निरीक्षक** - वह तो दिखाई दे रहा है। आप देश के लिए कितनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं।
- **यात्री** - ऐसा मत कीजिए, आप दो सौ रुपये ले लीजिए और बात खत्म कीजिए।
- **टिकट निरीक्षक** - पर रसीद तो 558 रुपये की ही बनेगी।
- **यात्री** - रसीद का क्या करना मुझे।
- **टिकट निरीक्षक** - 558 रुपये देते हो या बुलाऊँ पुलिस को।
- **यात्री** - आप तो पक्के देशभक्त हैं। ये लीजिए 558 रुपए।
- **टिकट निरीक्षक** - यह लो रसीद और आगे से बिना टिकट यात्रा मत करना।
- **यात्री** - आपकी बात का ध्यान रखूगा।

प्रश्नः 13) पुस्तक विक्रेता की दुकान पर किताबें खरीदने आए छात्र और दुकानदार की बातचीत का संवाद लेखन कीजिए।

उत्तरः

- **छात्र** - अंकल जी नमस्ते! मुझे किताबें चाहिए।
- **दुकानदार** - नमस्ते बेटा! तुम्हें कौन-सी पुस्तकें चाहिए।
- **छात्र** - मुझे नौवीं की पुस्तकें चाहिए।
- **दुकानदार** - यह लो नौंवीं की पुस्तकों का सेट।
- **छात्र** - अरे! यह बंडल खोलो तो सही।

- **दुकानदार** - इन्हें घर जाकर देखना, ठीक न होगी तो बदल दूंगा।
- **छात्र** - मुझे किताबें यहीं देखनी है। अब बंडल खोलो।
- **दुकानदार** - यह लो देखो।
- **छात्र** - अरे! इनमें तो एक भी किताब एन.सी.ई.आर.टी. की नहीं है।
- **दुकानदार** - पर इनमें उत्तरः भी तो हैं। सारे बच्चे यही पढ़ते हैं।
- **छात्र** - नहीं मुझे तो एन.सी.ई.आर.टी. की पुस्तकें ही चाहिए?
- **दुकानदार** - बेटा इनका दाम कम है और उत्तरः के लिए गाइड भी नहीं खरीदना पड़ेगा।
- **छात्र** - एन.सी.ई.आर.टी. की पुस्तकें देने में आपको क्या परेशानी है?
- **दुकानदार** - यह लो उन्हीं पुस्तकों का सेट और यह रजिस्टरों का बंडल। इनके साथ ये रजिस्टर भी खरीदना होगा।
- **छात्र** - यह तो सरासर अन्याय है। तुम मुझे ठगना चाहते हो। मैं अभी पुलिस को फ़ोन करता हूँ।
- **दुकानदार** - फ़ोन की बात छोड़ो, यह लो पुस्तकें, पैसे दो और जाओ।
- **छात्र** - ये हुई न बात।

प्रश्नः 14) काउंटर क्लर्क से रेल यात्रा के लिए आए यात्री की बातचीत का संवाद लेखन कीजिए।

उत्तरः

- **यात्री** - बाबूजी राम-राम! एक टिकट चाहिए।
- **क्लर्क** - राम-राम ताऊ! कहाँ जाना है ?
- **यात्री** - मैं इलाहाबाद जाना चाहता हूँ।
- **क्लर्क** - अरे ताऊ! वहाँ क्या काम आ गया?
- **यात्री** - बेटा मैं संगम में नहाने जा रहा हूँ।
- **क्लर्क** - तो बताओ ताऊ, कौन-सी ट्रेन का टिकट दे दूँ?
- **यात्री** - यह मुझे पता नहीं। जो गाड़ी इलाहाबाद जा रही हो, उसी का दे दो।
- **क्लर्क** - इलाहाबाद तो कई गाड़ियाँ जाती हैं, कौन-सी गाड़ी का दूँ?
- **यात्री** - बेटा, जो सवेरे-सवेरे पहुँचा दे।
- **क्लर्क** - ठीक है ताऊ, मैं तुम्हें प्रयागराज एक्सप्रेस का टिकट देता हूँ। तुम सात-साढ़े सात बजे तक इलाहाबाद पहुँच जाओगे।

- **यात्री** - एक दे दो।
- **क्लर्क** - चालू टिकट +, या तत्काल आरक्षण का?
- **यात्री** - जिस टिकट से लेटकर यात्रा करने को मिले, वही दे दो।
- **क्लर्क** - तो ताऊ छह सौ साठ रुपये दे दो।
- **यात्री** - बेटा ये तो ज़्यादा है। कुछ तो कम ले लो, चलो छह सौ लगा लो।
- **क्लर्क** - यह दुकान नहीं है। यहाँ पूरा पैसा लगता है।
- **यात्री** - ये ले बेटा, जैसी तेरी मरजी।
- **क्लर्क** - और आप यह टिकट लो।

प्रश्नः 15) बैडमिंटन खेल पर दो लड़कियों के बीच बातचीत को संवाद रूप में लिखिए।

उत्तरः

- **सीमा** - सोनी! कल का मैच देखा क्या?
- **सोनी** - तू किस मैच की बात कर रही है, क्रिकेट की या बैडमिंटन की।
- **सीमा** - मैं पी.वी. सिंधु के करिश्माई मैच की बात कर रही हूँ, जिसमें उसने इतिहास रच दिया।
- **सोनी** - ऐसा क्या किया सिंधु ने?
- **सीमा** - कल सिंधु ने विश्व चैंपियन जापानी खिलाड़ी नोजोमी ओकुहारा को हरा दिया।
- **सोनी** - अरे यह तो वही खिलाड़ी है..... ।
- **सीमा** - ठीक सोच रही हो यह वही ओकुहारा है जिससे सिंधु विश्व चैंपियनशिप में हार गई थी।
- **सोनी** - फिर तो सिंधु को बड़ी मेहनत करनी पड़ी होगी।
- **सीमा** - सो तो है। इस जीत के लिए एक घंटे चौबीस मिनट तक रोमांचक मुकाबला चला।
- **सोनी** - क्या जापानी खिलाड़ी एक भी गेम नहीं जीत सकी?
- **सीमा** - नहीं सोनी, पहले गेम में कड़े मुकाबले के बाद सिंधु 1-0 से आगे हो गई, पर अगले गेम को जीतकर ओकुहारा ने मुकाबला 1-1 कर लिया। पर अखिरी गेम सिंधु ने जीतकर इतिहास रच दिया।
- **सोनी** - यह मैच कहाँ खेला गया था?
- **सीमा** - यह मैच सोल में खेला गया।
- **सोनी** - इसका मतलब यह हुआ कि कड़ी मेहनत, दृढ़ निश्चय, लगन और निरंतर अभ्यास से हर मंजिल पाई जा सकती है।

- **सीमा** - तुमने ठीक समझा, सोनी। अब चलते हैं।
- **सोनी** - इतनी अच्छी खबर देने के लिए धन्यवाद।

प्रश्नः 16) भारत और आस्ट्रेलिया के बीच खेले गए प्रथम एक दिवसीय मैच के संबंध में दो मित्रों की बातचीत का संवाद लेखन कीजिए।

उत्तरः

- **रजत** - अरे! अमन तूने कल का मैच देखा था?
- **अमन** - तू किस मैच की बात कर रहा है ?
- **रजत** - पहले तो तू बता, तो किसे समझ रहा है?
- **अमन** - मैं सोल में खेल गए सिंधु के मैच की बात कर रहा हूँ।
- **रजत** - अरे नहीं! यार मैं तो कल के क्रिकेट मैच की बात कर रहा हूँ।
- **अमन** - सच कहा यार, मजा आ गया। इसमें एक दिवसीय और ट्वेंटी-ट्वेंटी मैच दोनों का ही मज़ा था।
- **रजत** - रहाणे 5, कप्तान 00, पांडे 00 के आउट होने के बाद, मैं समझ बैठा था कि मैच गया भारत के हाथ से।
- **अमन** - पर असली खेल तो उसके बाद शुरू हुआ। रोहित और केदार जाधव ने बल्लेबाजी से सँभाला तो पांड्या और धोनी ने रनों का जो धूम धड़ाका किया, वह लाजवाब था। रजत - पांड्या के लगाए तीनों शानदार लगातार छक्कों को कैसे भूल सकता है, जिनके कारण भारत ने 281 रन बना लिए।
- **अमन** - वर्षा ने आस्ट्रेलिया को 21 ओवर में 164 रन बनाने का लक्ष्य देकर मैच को टी-20 बना दिया।
- **रजत** - आस्ट्रेलियाइयों की बल्लेबाजी चरमराई क्या कि उनके लिए 164 रन बनाना पहाड़ हो गया और भारत ने मैच जीत लिया।
- **अमन** - मज़ा आ गया यह मैच देखकर।

प्रश्नः 17) नए विद्यालय में अपने पुत्र का दाखिला दिलवाने गर अभिवावक और प्रधानाचार्य के मध्य हुए वार्तालाप का संवाद लेखन कीजिए।

उत्तरः

- **अभिभावक -** सर! क्या मैं अंदर आ सकता हूँ?
- **प्रधानाचार्य -** 'हाँ-हाँ' अवश्य आइए और काम बताइए।
- **अभिभावक -** मैं अपने बेटे का दाखिला इस स्कूल में कराना चाहता हूँ।
- **प्रधानाचार्य -** कौन-सी कक्षा में?
- **अभिभावक -** ग्यारहवीं कक्षा में।
- **प्रधानाचार्य -** उसने दसवीं कौन से विद्यालय से उत्तीर्ण की है?
- **अभिभावक -** .....पब्लिक स्कूल राजौरी गार्डन से।
- **प्रधानाचार्य -** तुम अपने बच्चे को पब्लिक स्कूल से यहाँ सरकारी स्कूल में पढ़ाना चाहते हो, ऐसा क्यों?
- **अभिभावक -** मैंने इस स्कूल का नाम सुना है। यहाँ पढ़ाई की उत्तम व्यवस्था है और खर्च नाम मात्र का भी नहीं है। यह पब्लिक स्कूल वाले तो हमें लूटने में कोई कसर नहीं छोड़ते हैं।
- **प्रधानाचार्य -** आपके बेटे की दसवीं कक्षा में कितनी सी.जी.पी. है?
- **अभिभावक -** जी, 8.5 सी.जी.पी. ।
- **प्रधानाचार्य -** आप दाखिला कहाँ चाहते हैं-विज्ञान, कॉमर्स या .....।
- **अभिभावक -** मुझे विज्ञान वर्ग में दाखिला दिलवाना है।
- **प्रधानाचार्य -** आप कमरा सं. 15 में मिस्टर शर्मा से मिल लीजिए।
- **अभिभावक -** जी, धन्यवाद।

प्रश्नः 18) बिजली की बार-बार कटौती से उत्पन्न स्थिति से परेशान महिलाओं की बातचीत का संवाद लेखन कीजिए।

उत्तरः

- **तनु -** क्या बात है विभा? कुछ परेशान-सी दिख रही हो?
- **विभा -** क्या कहूँ तनु, बिजली की कटौती से परेशान हूँ।
- **तनु -** ठीक कह रही हो बहन, बिजली कब कट जाए, कुछ कह ही नहीं सकते हैं।
- **विभा -** तनु, बिजली न होने से आज तो घर में बूंदभर भी पानी नहीं है। समझ में नहीं आता, नहाऊँ कैसे, बरतन कैसे धोऊँ।
- **तनु -** आज सवेरे बच्चों को तैयार करके स्कूल भेजने में बड़ी परेशानी हुई।

- **विभा** - यह तो रोज़ का नियम बन गया है। सुबह-शाम बिजली कट जाने से घरेलू कामों में बड़ी परेशानी होने लगी है।
- **तनु** - दिनभर ऑफिस से थककर आओ कि घर कुछ आराम मिलेगा, पर हमारा चैन बिजली ने छीन लिया है।
- **विभा** - अगले सप्ताह से बच्चों की परीक्षाएँ हैं। मैं तो परेशान हूँ कि उनकी तैयारी कैसे कराऊँगी?
- **तनु** - चलो आज बिजली विभाग को शिकायत करते हुए ऑफिस चलेंगे।
- **विभा** - यह बिलकुल ठीक रहेगा।

प्रश्नः 19) मित्र हम आपको इस विषय पर संवाद लिखकर दे रहे हैं।

उत्तरः

- **अध्यापक** - राम! तुम्हारा गृहकार्य कहाँ है?
- **राम** - सर! मैं अपना गृहकार्य नहीं कर पाया हूँ ।
- **अध्यापक** - क्यों नहीं किया ?
- **राम** - कल मेरे घर पर एक कार्यक्रम था। जिसके कारण मैं अपना गृहकार्य नहीं कर पाया।
- **अध्यापक** - इसका मतलब तुम्हारे लिए पढ़ाई से ज्यादा और काम अधिक ज़रूरी हैं।
- **राम** - मैं आपसे क्षमा माँगता हूँ कि मैंने अपना गृहकार्य नहीं किया। परंतु आज के बाद आपको शिकायत का कोई मौका नहीं मिलेगा।
- **अध्यापक** - ठीक है। मैं तुम्हें एक मौका दे रहा हूँ। कल अपना गृहकार्य पूरा करके लाना।
- **राम** - धन्यवाद सर!

STUDYBABA.IN